## महत्वपूर्ण एवं खास

### बालक पर नाबालिग बालिका को भगा ले जाने का आरोप, बालिका ओडिशा से हुई बरामद

❍ **अपचारी बालक न्यायिक अभिरक्षा में**

**रायगढ़।** 14 मई को पुलिस चौकी जूटमिल में नाबालिग बालिका के परिजन बालिका को बरगढ़ ओडिशा में रहने वाला उसके हम उम्र का बालक बहला फुसलाकर भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराये, बालिका के पिता बताये कि बालक के रिस्तेदार गांव में रहते हैं, जिनके घर बालक का आना जाना था, उसी बालक पर बालिका को साथ ले जाने का संदेह व्यक्त किये, रिपोर्ट पर थाना कोतवाली (चौकी जूटमिल) में अप.क्र. 643/2021 धारा 363 भादवि दर्ज कर विवेचना में लिया गया। जूटमिल थाना प्रभारी निरीक्षक अमित शुक्ला द्वारा चौकी से उप निरीक्षक थानूराम नायक के हमराह महिला स्टाफ के साथ संदेही एवं बालिका की पतासाजी के लिये बरगढ़ ओडिशा रवाना किया गया, संदेही के घर से बालिका को दस्तयाब कर चौकी लाया गया। बालिका का चाईल्ड लाईन व महिला पुलिस अधिकारी के पास कथन कराया गया पश्चात डॉक्टरी मुलाहिजा पर प्रकरण में आरोपी के विरूद्ध धारा 366, 376 भादवि 6 पास्को एक्ट जोड़ी गई। उल्लंघनकारी बालक को आज किशोर न्याय बोर्ड न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है तथा बालिका उसके परिजनों के सुपुर्द की गई है।

### कंटेनमेंट अवधि में रविवार को भी जारी रहेगी ई-कामर्स की सेवायें

**रायगढ़ ।** कलेक्टर भीम सिंह द्वारा कोविड पॉजिटिव प्रकरणों की संख्या में लगातार वृद्धि होने के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत रायगढ़ जिला के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र को 31 मई 2021 तक कन्टेनमेंट जोन घोषित किया गया है। उक्त आदेश में आशिक संशोधन करते हुए ई-कामर्स एप्लिकेशन जैसे अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, स्विगी, जोमेटो इत्यादि एवं ऑन लाईन मदिरा की होम डिलीवरी विक्रय की अनुमति दी गई है उक्त सेवाऐं अपनी निधारित समयावधि में रविवार को भी संचालित की जा सकेगी। आदेश की समस्त कंडिका की शर्तें एवं निर्देश पूर्ववत् लागू रहेंगे। यह आदेश दिनांक 16 मई 2021 रात्रि 12 बजे से प्रभावशील होगा।

### कंटेनमेंट अवधि में 31 मई तक समस्त देशी व विदेशी मदिरा दुकान रहेंगी बंद

❍ **मदिरा की ऑनलाईन होम डिलीवरी रहेगी चालू**

**रायगढ़ ।** कलेक्टर भीम सिंह द्वारा वैश्विक महामारी कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु रायगढ़ जिला अंतर्गत संपूर्ण क्षेत्र को 31 मई 2021 रात्रि 12 बजे तक कन्टेनमेंट जोन घोषित किया गया है। कलेक्टर सिंह ने 31 मई तक जिले की समस्त देशी व विदेशी मदिरा दुकानें, सी.एस.2 (घघ कम्पोजिट शॉप)एवं एफ.एल.3 होटल बार को पूर्णतः बंद रखे जाने हेतु आदेश जारी किया है। इस दौरान जिले की एकमात्र भण्डारण भाण्डागार, रायगढ़ चालू रहेगी तथा मदिरा की ऑनलाईन होम डिलीवरी पूर्ववत संपूर्ण लॉकडाउन के दौरान भी चालू रहेगी।

### छत्तीसगढ़ में पॉजिटिविटी दर और घटकर 11 प्रतिशत पर पहुंची

❍ **15 मई को 11475 मरीज स्वस्थ हुए**

**रायपुर (आरएनएस)।** छत्तीसगढ़ में पॉजिटिविटी दर लगातार घटते जा रही है। बीते 15 मई को प्रदेश की पॉजिटिविटी दर और गिरकर 11 प्रतिशत पर पहुंच गई है। 15 मई को प्रदेश भर में जांचे गए 70 हजार 239 सैंपलों में से 7664 सैंपल पॉजिटिव पाए गए। विगत 14 मई को प्रदेश की पॉजिटिविटी दर 12 प्रतिशत और 13 मई को 14 प्रतिशत थी। प्रदेश में 15 मई को 11 हजार 475 मरीज कोरोना से स्वस्थ हुए हैं। इनमें से 11 हजार 088 मरीजों ने होम आइसोलेशन में उपचार कराकर कोरोना को मात दी है। कोविड अस्पतालों और कोविड केयर सेंटर्स में इलाज के बाद स्वस्थ हुए 387 मरीजों को डिस्चार्ज किया है।

### ट्रेलर वाहन से माजदा चालक टकराया, हेल्फर की मौत,चालक घायल

**रायपुर (आरएनएस)।** तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन से आईचर माजदा वाहन टकरा जाने की वजह से हेल्फर की मौत हो गई व चालक घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात 1.20 बजे ग्राम सांकरा ओव्हरब्रिज के पास नेवरा में तेज रफ्तार ट्रेलर क्रमांक एमएच 04 एफयू 3329 का चालक अचानक ओव्हरब्रिज के उपर गाड़ी धीमी कर दिया। जिसके चलते पीछे से आ रही आईचर माजदा वाहन क्रमांक एमपी 41 जीए 1344 टकरा जाने से हेल्फर विजय वर्मा 30 वर्ष पिता महेन्द्र वर्मा रिद्धि पैलेस थाना द्वारिकापुरी इंदौर की मौत हो गई तथा ट्रक चालक घायल हो गया।

# होम आइसोलेशन में हैं तो बरतें सावधानियां... जिले के तीन विशेषज्ञ डॉक्टर की होम आइसोलेशन पर महत्वपूर्ण सलाह

**रायगढ़।** जिले में 1 अप्रैल से अब तक 20,000 से अधिक लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं। इसमें होम आइसोलेशन में रहकर ठीक होने वालों की संख्या अधिक है। डॉक्टर्स की माने तो करीब 90 फीसदी कोरोना संक्रमित रोगी घर पर रहकर ही ठीक हो जाते है। उन्हे न तो ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है और न ही हॉस्पिटल में भर्ती करने की। पर फिर भी जो लोग घरों में अलग रहकर यानी होम आइसोलेशन में इलाज करवा रहे हैं, उनके सामने कई सवाल रहते हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यह रहता है कि आखिर उनका होम आइसोलेशन कब खत्म होगा?

अगर सही दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया और समय से पहले होम आइसोलेशन खत्म कर दिया तो क्या वायरस अन्य लोगों में संचारित हो सकता हैं। आम तौर पर संक्रामक लक्षणों के बाद शरीर में वायरस की संख्या तेजी से कम होती है, जिससे दूसरे लोगों में वायरस ट्रांसमिट करने की क्षमता खत्म हो जाती है। मरीज के लिए मास्क पहनने, साफ-सफाई रखने और अन्य एहतियाती उपाय जारी रखना भी जरूरी है।

होम आइसोलेशन में रह रहे कोरोना संक्रमित मरीजों के और भी कुछ महत्वपूर्ण सवाल हैं, जिनके जवाब होम आइसोलेशन के मरीजों की निगरानी कर चुके डॉक्टर सिद्धार्थ सिन्हा, डॉक्टर विवेक उपाध्याय और प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी व सैंपलिंग-टेस्टिंग के नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश पटेल ने दिये । इन्होंने होम आइसोलेशन से संबंधित सारी सावधानियों को बताया।

■ **क्या है होम आइसोलेशन, यह किसे मिलता है-** डॉक्टर विवेक उपाध्याय बताते हैं- अगर किसी मरीज में कोरोना वायरस संक्रमण का कोई लक्षण नजर आता है या वह किसी कोरोना वायरस संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आता है तो उसे जांच की सलाह दी जाती है। जब तक जांच के नतीजे नहीं आते, तब तक उस व्यक्ति को घर में सबसे अलग यानी आइसोलेशन में रहने की सलाह दी जाती है। नतीजे आने पर अगर वह कोरोना वायरस पॉजिटिव निकलता है तो लक्षणों के आधार पर डॉक्टर उसका इलाज करते हैं।

अगर लक्षण हल्के या मामूली हैं तो उसका इलाज घर पर ही हो सकता है। इसके लिए कोशिश की जाती है कि वह अन्य घरवालों के संपर्क में आकर उन्हें संक्रमित न करे। उसे अलग-थलग रहने को कहा जाता है, जिसे होम आइसोलेशन या क्वारैंटाइन में रहकर इलाज करना कहते हैं। इस दौरान मरीज को देखभाल करने वाले की सख्त आवश्यकता होती है, जो मरीज की दवा, खानपान एवं अन्य जरूरतों को पूरा करता है।

■ **कब तक रहता है होम आइसोलेशन-** डॉक्टर सिद्दार्थ सिन्हा बताते हैं- आम तौर पर मरीजों को 14 से 17 दिन होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी जाती है। पर यह सब लक्षणों की प्रकृति और उनकी गंभीरता से तय होता है। फिर भी मानकर चलिए कि लक्षणों के दिखने पर कम से कम 14 दिन तक आइसोलेट रहना ही है। जिन लोगों में संक्रमण के कोई लक्षण न हों, उनका होम आइसोलेशन वायरस के लिए जांच में पॉजिटिव आने के 10 दिन बाद खत्म हो सकता है। बेहतर होगा आपका इलाज कर रहे डॉक्टर या फिजिशियन से पूछकर आप तय करें कि आइसोलेशन खत्म कब करना है।''

अगर मरीज को तीन दिन से बुखार नहीं आया है तो अगले 7 दिन में आप आइसोलेशन खत्म कर सकते हैं। धीरे-धीरे लक्षण खत्म होने लगते हैं और जब पूरी तरह खत्म हो जाते हैं तब भी कुछ दिन आइसोलेशन में रहने की सलाह दी जाती है।

■ **कैसे खत्म होगा होम आइसोलेशन -** डॉक्टर योगेश पटेल कहते हैं- इसकी कोई जरूरत नहीं है आदर्श परिस्थितियों में 24 घंटे के अंतर से दो आरटीपीसीआर रिपोर्ट निगेटिव आने पर होम आइसोलेशन खत्म करने को कहा जाता है। पर जिस तेजी से केस बढ़ रहे हैं और जांच करने वाली लैबोरेटरीज पर दबाव बढ़ रहा है, मरीज 14 दिन बाद बिना टेस्ट के भी आइसोलेशन खत्म कर सकता है। सरकार की कोई गाइडलाइन नहीं है टेस्ट कराने की। 17 दिन में कोई लक्षण नहीं आने पर होम आइसोलेशन से बाहर निकल सकते हैं। 17 दिन में अपने आप ही समाप्त माना जाता है।

विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि अगर आरटीपीसीआर टेस्ट कराया तो मृत वायरस की वजह से रिपोर्ट पॉजिटिव आ सकती है। भले ही शरीर में वायरस की डेडबॉडी हो, पर टेस्ट तो पॉजिटिव बताता है। पर उससे किसी और को इन्फेक्ट करने या वायरस ट्रांसमिशन का खतरा बिल्कुल भी नहीं रहता है।यह ध्यान रखना जरूरी है कि जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर है, उन्हें डॉक्टर आम तौर पर निर्धारित आइसोलेशन अवधि से ज्यादा आइसोलेशन में रहने को कह सकते हैं। उन्हें दोबारा टेस्टिंग के लिए भी कहा जा सकता है।

## परवरिश के नाम पर साथ ले गई बालिका की जबरन शादी कराये जाने की रिपोर्ट

### » आरोपी पिता-पुत्र पर लैलूंगा थाने में दर्ज एफआईआर

**रायगढ़।** 15 मइको थाना लैलूंगा में नाबालिग बालिका की मां द्वारा सुंदरगढ उडिसा के रहने वाले व्यक्ति पर उसकी बेटी की परवरिश करने के नाम पर अपने घर ले जाकर घर के घरेलू काम कराने और उसकी शादी जबरन अपने बेटे के साथ कर दिये जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रिपोर्टकर्ता बताई कि रोजी मजदूरी का काम कर अपने बच्चों का पालन पोषण कर रही है। करीब चार माह पहले सुन्दरगढ़, ओडिशा में रहने वाला जाति समाज का परिचित व्यक्ति इसकी बेटी (15 साल) को अपने साथ ले जाकर अच्छे से रखूंगा, घर का काम करेगी कहकर साथ ले गया। महिला अपने परिवारवालों से सलाह लेकर जान परिचित होने के कारण उसके साथ बेटी भेज दी। करीब 02 माह बाद अपने रिस्तेदार के साथ अपने बेटी को देखने सुंदरगढ़ ओडिशा गई तो उस घर में उससे बहुत ज्यादा घरेलू काम कराया जा रहा था, यही नही बालिका की शादी उस व्यक्ति ने बेटे (20 साल) के साथ बालिका और इनके जानकारी बगैर कर दिया था। महिला अपनी बेटी को अपने साथ लेकर लैलूंगा जाऊंगी बोली तो उसे झगड़ा कर भगा दिये। महिला बेटी का शोषण किये जाने के संबंध में थाना लैलूंगा में रिपोर्ट दर्ज कराने पर आरोपी पिता-पुत्र के विरूद्ध अप.क्र. 132/2021 धारा 370,370(ए) भादवि दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। थाना प्रभारी लैलूंगा पतासाजी, गिरफ्तारी के लिए रवाना हुए हैं।

## स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए निधि से सहयोग के साथ सतत् रूप से प्रयासरत हैं सारंगढ़ विधायक उत्तरी गनपत जांगड़े

**रायगढ़ ।** विधायक सारंगढ़ श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े जिला प्रशासन से समन्वय कर कोविड प्रबंधन के लिये जिले में सुविधाओं के विस्तार के लिये सतत् प्रयासरत है। उन्होंने अपने विधायक निधि की 2 करोड़ की राशि 18 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों के कोविड टीकाकरण के लिए दिया है। इसके साथ ही एक माह का वेतन और भत्ता मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा कराया। जिले के प्रभारी मंत्री रविन्द्र चौबे द्वारा ली गयी समीक्षा बैठक में सारंगढ़ में कोविड की स्थिति से अवगत कराकर ऑक्सीजन बेड की सुविधा प्रारंभ करने की बात रखी। जिस पर प्रभारी मंत्री चौबे के निर्देश पर निजी अस्पताल में 40 ऑक्सीजन बेड प्रारम्भ करने की

अनुमति मिली व कोविड केयर सेंटर में सुविधा प्रारम्भ करने की तैयारी शुरू की गयी।

उन्होंने उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल की अध्यक्षता में जिले में कोविड प्रबंधन के लिए आयोजित समीक्षा बैठक में सारंगढ़ में मरीजों की सुविधा के लिए 50 ऑक्सीजन बेड का कोविड केयर सेंटर खोलने की बात रखी। उच्च शिक्षा मंत्री पटेल ने सारंगढ़ में ऑक्सीजन बेड की सुविधा जल्द प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। जिस पर अमल करते हुए सारंगढ़ में 50 ऑक्सीजन बेड की सुविधा प्रारम्भ कर दी गयी है। इसके साथ ही यहां ऑक्सीजन बेड बढ़ाने की भी योजना है। इसके साथ ही उन्होंने सारंगढ़ में निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन बेड की सुविधा शुरू करने तैयारी की जा रही है।

उन्होंने विधायक निधि से सामुदायिक स्वा.केन्द्र सारंगढ़ को कोविड मरीजों के लिये एम्बुलेंस हेतु 7 लाख रुपये प्रदान किया। साथ ही मंगल भवन में संचालित कोविड केयर सेंटर में मरीजों की सुविधा के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर व कूलर प्रदान किया है। कोविड अस्पतालों के निरीक्षण कर वहां मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने कोरोना संक्रमण के जल्द रोकथाम के लिए सभी लोगों से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने, मास्क लगाने, हाथों को सेनिटाइज करने व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के साथ ही कोविड टीके को लेकर किसी भी प्रकार के अफवाहों और भ्रांतियों से दूर रहते हुए सभी पात्र लोगों से टीका लगवाने की अपील की है।

## कार में शराब तस्करी करते 65 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

**पूंजीपथरा।** पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा लॉकडाउन दौरान महुआ शराब की अवैध बिक्री को लेकर सभी थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं, निर्देशों पर मुखबीर लगाकर पूंजीपथरा पुलिस द्वारा आज बड़ी कार्यवाही की गई है।

जानकारी के अनुसार आज दिनांक 16.05.2021 के शाम थाना प्रभारी पूंजीपथरा निरीक्षक कृष्णकांत सिंह को मोबाइल पर पूंजीपथरा बस्ती के रंजीत गुप्ता को कार में छर्राटांगर की ओर शराब लेने जाने की सूचना उनके सक्रिय मुखबिर द्वारा दिया गया। सूचना पर कार्यवाही के लिए थाना प्रभारी पूंजीपथरा द्वारा थाने के उपनिरीक्षक

एमडी जायसवाल के हमराह सहायक उपनिरीक्षक विजय एक्का, प्रधान आरक्षक गौतम ठाकुर, आरक्षक भूपेश राठिया, प्रबंध राठिया को नाकेबंदी कर कार्यवाही के लिए पूंजीपथरा बस्ती की ओर भेजा गया। शाम करीब 16:30 बजे स्टाफ द्वारा संदेही रंजीत गुप्ता को पूंजीपथरा बस्ती जाने के पहले पकड़े, उसकी कार हुडोई आई-10 सीजी13 यूसी 9802 के अंदर एक जूट के बोरी जिसके अंदर एक और प्लास्टिक की बोरी जिसमें एक-एक लीटर वाली 65 पैकेट प्लीथिन के महुआ शराब रखा हुआ था। आरोपी रंजीत गुप्ता पिता मिश्री साव उम्र 34 वर्ष निवासी पूंजीपथरा बस्ती महुआ शराब को बस्ती में अवैध रूप से बेचना स्वीकार किया। आरोपी से महुआ शराब एवं परिवहन में प्रयुक्त कार की जब्ती कर आरोपी के विरुद्ध थाना पूंजीपथरा में धारा 34(2),59 (क) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

## तेंदूपत्ता तोड़ने गए युवक पर भालू ने किया हमला, अस्पताल में भर्ती

**रायगढ़।** रविवार की सुबह तेंदूपत्ता तोड़ने गए एक युवक के उपर जंगली भालू ने जानलेवा हमला कर दिया। भालू के हमले से घायल युवक को धरमजयगढ़ अस्पताल में ईलाज के लिए भर्ती कराया जा रहा है।

इस संबंध में जानकारी के मुताबिक धरमजयगढ़ के जमरगी डीह ग्राम पंचायत के आश्रीत ग्राम रजीदा में रविवार की सुबह करीब सात बजे तेंदूपत्ता तोड़ने गए सुखदेव राम नामक युवक के उपर जंगली भालू ने जानलेवा हमला कर दिया। गनीमत थी कि युवक के आस पास में भी उसके कुछ साथी तेंदूपत्ता तोड़ रहे थे और उसकी चीख पुकार सुनकर उसके पास जाने लगे तो भालू जंगल की ओर भाग गया। बताया जा रहा है भालू दल के थे जिनकी संख्या तीन थी। जबकि एक ही भालू ने युवक पर हमला किया था। किसी तरह युवक की जान तो बच गयी, लेकिन भालू के हमले से उसका पैर, जांघ लहू लुहान हो गया। उसी हालत में उसे चारपाई (खटिया)के सहारे घटना स्थल से जमरगी डीह (तकरीबन 3 किमी)लाया गया। उसके बाद निजी वाहन से उसे धरमजयगढ़ अस्पताल लाया गया। जहां उसका गहन इलाज जारी है।

## मुख्यमंत्री ने किया बिलासपुर में 93 करोड़ 70 लाख रूपये की लागत के अरपा उत्थान एवं तट संवर्धन कार्य का शिलान्यास

**रायपुर (आरएनएस)।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में बिलासपुर में 93 करोड़ 70 लाख रूपये की लागत के अरपा उत्थान एवं तट संवर्धन कार्य का शिलान्यास किया।

बिलासपुर में जिला प्रशासन और बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा आयोजित अरपा उत्थान एवं तट संवर्धन कार्य के शिलान्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता गृहमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया वर्चुअल रूप से जुड़ें। बिलासपुर में जल संसाधन विभाग के प्रार्थना सभा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सांसद अरूण

साव,संसदीय सचिव रश्मि आशीष सिंह,महापौर रामशरण यादव, विधायक शैलेश पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सिंह चौहान,निगम के सभापति शेख नजीरूद्दीन तथा अटल वास्तव, कमिश्नर बिलासपुर संजय अलंग, कलेक्टर सारांश मित्तर मौजूद थे। इस कार्यक्रम में अरपा तट संवर्धन पर एक वीडियो प्रस्तुतिकरण दिया गया।

## कोरोना के साथ ही अब ब्लैक फंगस के बढ़ते मामले चिंताजनक - भाजपा

### » भाजपा प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने प्रदेश सरकार से तत्काल इस नई आपदा पर ध्यान देने की मांग की

**रायपुर (आरएनएस)।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने कोरोना संक्रमण के साथ ही अब ब्लैक फंगस के मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या को चिंताजनक बताते कहा कि रेमिडेसिविर जैसा ही अब ब्लैक फंगस इंजेक्शन ग़ायब होना

चिंताजनक हैं। इस इंजेक्शन का भी कृत्रिम अभाव पैदा करके अब इसकी भी कालाबाज़ारी की आशंका है। श्रीश्रीवास्तव ने प्रदेश सरकार से ईमानदारी और संजीदग़ी के साथ तत्काल इस नई भयावह आपदा के चंगुल में जाने से पहले ही प्रदेश को सुरक्षित करने की मांग की है।

श्रीवास्तव ने कहा कि ब्लैक फंगस से पीड़ित मरीजों के परिजन दर-दर भटक रहे हैं, ऐसे में इस बीमारी को लेकर प्रदेश सरकार सिर्फ एडवाइज़री जारी करके अपनी ज़िम्मेदारी पूरी नहीं मान सकती। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने भी माना है कि प्रदेश में अब ब्लैक फंगस की दवाओं की कमी है और इसका इलाज काफ़ी महंगा भी है। श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना और भाजपा की डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के प्रति राजनीतिक दुराग्रह दिखाकर प्रदेश की मौजूदा कांग्रेस सरकार ने प्रदेश के ज़रूरतमंद मरीजों के पास कोई विकल्प ही नहीं दिया है, जिससे प्रदेश के मरीज और उनके परिजन परेशान हो रहे हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने जिस तरह कोरोना की रोकथाम में लापरवाही की, वैसे कम से कम ब्लैक फंगस के इंजेक्शन में लापरवाह नहीं रहे। उन्होंने कहा कि इंजेक्शन की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार का दायित्व है, इस पर प्राथमिकता से ध्यान दिए जायें।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480